काँचरापाड़ा रेलवे अस्पताल

संगठन चार्ट एवं कार्यकलाप

- अस्पताल में विविध विशेषग्यों के कुल 22 डॉक्टर (स्वास्थ्य इकाई सहित) हैं ।
- जेनरल मेडिसिन के 58 जेनरल बेड हैं, 8 बेड गहन चिकित्सा इकाई (इन्टेंसिव केयर यूनिट) के हैं जिसमें डिफ्रिलेटॅर, मल्टिपारा मॉनिटर, पल्स आक्जिमीटर, एबीजी एनालाइजर एवं इंफ्यूजन पंप आदि सहित अन्य इंटेंसिव केयर सामग्रियाँ की सुविधा है ।
- जेनरल सर्जरी एवं आर्थोपेडिक के 59 सामान्य बेड हैं जिसके साथ स्पॉन्डिलाइसिस रोगियों के लिए इन्डोर ट्रैक्शन की सुविधा उपलब्ध है ।
- वर्ष 2014-15 के दौरान 243 मैजॅर सर्जरी एवं 646 माइनॅर सर्जरी किए गए ।
- वर्ष 2014-15 के दौरान नष्ट श्रम दिन केवल 0.85% रहा ।
- वर्ष 2014-15 में प्रसूति की संख्या 92 है ।
- वर्ष 2014-15 में आईपीपीआई कार्यक्रम में कुल 1761 बच्चों का टीकाकरण किया गया ।

वर्ष 2014-15 का लक्ष्य

- काँचरापाड़ा अस्पताल के रोगियों के साथ बी.आर.सिंह अस्पताल, सियालदह एवं ऑर्थोपेडिक अस्पताल, हावड़ा के विशेषग्य चिकित्सकों के साथ एक टेलीमेडिसिन परियोजना जरूरतमंद रोगियों के फायदे के लिए विकसीत किया जा रहा है ।

काँचरापाड़ा रेलवे अस्पताल की संक्षिप्त भूमिका

भारतीय रेलवे में काँचरापाड़ा अस्पताल प्राचीनतम अस्पतालों में से एक है जो वर्ष 1864 में एक स्वास्थ्य इकाई के रूप में प्रारंभ हुआ था । यह काँचरापाड़ा कारखाना गेट स्टेशन एवं काँचरापाड़ा रेलवे स्टेशन के बीच स्थित है जो दोनों स्टेशनों से 10 मिनट की पैदल दूरी पर है । अस्पताल परिसर की जमीन कुल 11 एकड़ में फैली हुई है जिसके तहत नेलसन टैंक भी आता है जो लगभग 7565 वर्ग मीटर में है । असप्ताल में कुल चार भवन हैं जो चारों तरफ से हरियाली से घिरा हुआ है । यह अस्पताल रेलवे लाभभोगियों को आधुनिक तरिके से निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक एवं सुस्वास्थ्य प्रदान कर रहा है ।

यह एक द्वितीयक चिकितसा असपताल है जहाँ काँचरापाड़ा कारखाना, पूर्व रेलवे के कर्मचारियों एवं उनके परिजनों तथा आश्रितों के विभिन्न तरह की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाता है । यह स्थानीय एवं पास के स्टेशनों में रह रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का भी ध्यान रखता है । आज की तारीख में यह 11219 कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों तथा 6195 सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्वास्थ्य सेवा की है जिसकी गणना 50,000 से अधिक है ।

<u>संगठन चार्ट एवं कार्यकलाप</u>

- अस्पताल में विविध विशेषग्यों के कुल 22 डॉक्टर (स्वास्थ्य इकाई सहित) हैं ।
- <u>अस्पताल में निम्नलिखित सुविधाएँ हैं :</u>

  जेनरल मेडिसिन, जेनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, प्रसूति एवं स्त्रीरोग, असंवेदनता (एनेसथेसियोलॉजी), नेत्ररोग, बालचिकित्सा, कर्ण रोग(ऑटोलॉरिंगॅलॉजी), पैथॅलॉजी एवं दंत रोग । हाउस सर्जन को सभी बड़े रोगों के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाता ।
- लाभभोगियों के सभी रोगों की चिकित्सा के लिए विशेषग्य चिकित्सक हैं । अत्याहत (कैज्यूल्टि) वार्ड आपात सेवा हेतु चौबीस घंटे खुले रहते हैं । बहिर्रंग विभाग (ओपीडी) एवं विविध विशेषग्यों का क्लिनिक, जिसे फॉलो ऑप क्लिनिक कहा जाता है, नियमित रूप से रोजाना समयानुसार रोगियों की सेवा हेतु खुलता है । बहिर्रंग विभाग (ओपीडी) सप्ताह में सुबह 9 बजे से 1 बजे एवं अपराह्न में 3 बजे से 5 बजे तक तथा शनिवार के दिन सुबह 9 बजे से 1 बजे तक खुला रहता है । फॉलो ऑप क्लिनिक जेनरल मेडिसिन, जेनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्रीरोग, नेत्र रोग, बालचिकित्सा, कर्ण रोग(ऑटोलॉरिंगॅलॉजी) आदि हेतु खुला रहता है ।
- चार स्वास्थ्य इकाई एक साथ चलाया जाता है जिनमें से दो स्वास्थ्य इकाई कारखाने के भीतर में कार्यरत कर्मचारियों के ईलाज हेतु खोला गया है ।
- जेनरल मेडिसिन के 58 जेनरल बेड हैं, 8 बेड गहन चिकित्सा इकाई (इन्टेंसिव केयर यूनिट) के हैं जिसमें डिफ्रिलेटॅर, मल्टिपारा मॉनिटर, पल्स आक्जिमीटर, एबीजी एनालाइजर एवं इंफ्यूजन पंप आदि सहित अन्य इंटेंसिव केयर सामग्रियाँ की सुविधा है ।
- जेनरल सर्जरी एवं आर्थोपेडिक के 59 सामान्य बेड हैं जिसके साथ स्पॉन्डिलाइसिस रोगियों के लिए इन्डोर ट्रैक्शन की सुविधा उपलब्ध है ।
- शिशु विभाग में 15 मेडिकल एवं 8 पेडियाट्रिक सर्जिकल बेड इंट्राविनॅस एवं इंट्रासेसियॅस ट्रांसफ्यूजन, नेबूलाइजेशन, पल्स ऑक्सिमिट्रि आदि सुविधा के साथ उपलब्ध है । शिशु विभाग में नवजात शिशु की देखभाल के लिए रेडिएन्ट वार्मर-कम-फोटोथेरॉपी मशीन से सुविधा युक्त एक नवजात शिशु संबंधी केयर यूनिट उपलब्ध है ।
- प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग में 15 जेनरल बेड, वातानुकूलित प्रसव कक्ष तथा अन्य सुविधाएँ उपलब्ध हैं ।

- शैल्य चिकित्सा कक्ष (ऑपरेशन थिएटर) पूर्ण वातानुकूलित है जिसमें 3 शैल्य चिकित्सा कक्ष हैं जो सभी आधुनिक उपकरणों एवं पूर्ण समय के लिए एनेस्थेटिस्ट उपलब्ध हैं ।
- नेत्र विभाग में योग्यता प्राप्त नेत्र विशेषग्य चिकित्सक हैं एवं आईओएल आरोपण (इंप्लांटेशन) की सुविधा है ।
- नाक-कान-गला विभाग में योग्यता प्राप्त ईएनटी सर्जन हैं एवं इस विभाग में ऑडियोमीटरी आदि की व्यवस्था है ।
- पैथॅलॉजी विभाग में सेमी- ऑटो- एनालाइजर एवं अन्य आधुनिक उपकरण के साथ योग्यता प्राप्त पैथॅलॉजिस्ट हैं ।
- क्षय रोगी वार्ड - गंभीर रूप से बीमार क्षय रोगियों के इंडोर उपचार हेतु ।
- रेडियोलॉजी यूनिट एक्स-रे एवं यूएसजी मशीन सुविधा युक्त ।
- फिजियोथेरॉपी यूनिट सभी आधुनिक उपकरणों सहित ।

<u>उपलब्धियाँ</u>

दंत रोगियों के उपचार के समय रोगियों के सुविधार्थ दंत चिकित्सा कक्ष को वातानुकूलित किया गया है ।

- शिशु वार्ड को यथाशीघ्र वातानुकूलित किया जाएगा, कार्य प्रगति पर है ।
- आर्ट एनेस्थेटिक वर्कस्टेशन का प्रापण कर शैल्य चिकित्सा कक्ष (ऑपरेशन थियेटर) में लगा (इंस्टॉल) दिया गया है ।
- आई.सी.यू. में एक डिफाइब्रीलेटर लगाया गया है ।
- वर्ष 2013-14 के दौरान 299 रोगियों की बड़ी सर्जरी एवं 748 रोगियों की छोटी सर्जरी की गई तथा वर्ष 2014-15 में 243 रोगियों की बड़ी सर्जरी एवं 646 रोगियों की छोटी सर्जरी की गई ।
- वर्ष 2013-14 के दौरान नष्ट श्रम दिन केवल 0.80% तथा वर्ष 2014-15 के दौरान 0.85% रहा ।
- वर्ष 2013-14 में प्रसूति की संख्या 102 तथा वर्ष 2014-15 में प्रसूति की संख्या 92 रहा ।
- वर्ष 2013-14 में आईपीपीआई कार्यक्रम में कुल 1035 बच्चों को तथा वर्ष 2014-15 में कुल 1761 बच्चों को टीकाकरण किया गया ।

<u>वर्ष 2013-14 का लक्ष्य :-</u>

काँचरापाड़ा अस्पताल के रोगियों के साथ बी.आर.सिंह अस्पताल, सियालदह एवं ऑर्थोपेडिक अस्पताल, हावड़ा के विशेषग्य चिकित्सकों के साथ एक टेलीमेडिसिन परियोजना जरूरतमंद रोगियों के फायदे के लिए विकसीत किया जा रहा है ।